दृष्टि The Vision

NCERT

THROUGH QUESTIONS

भारत एवं विश्व का भूगोल

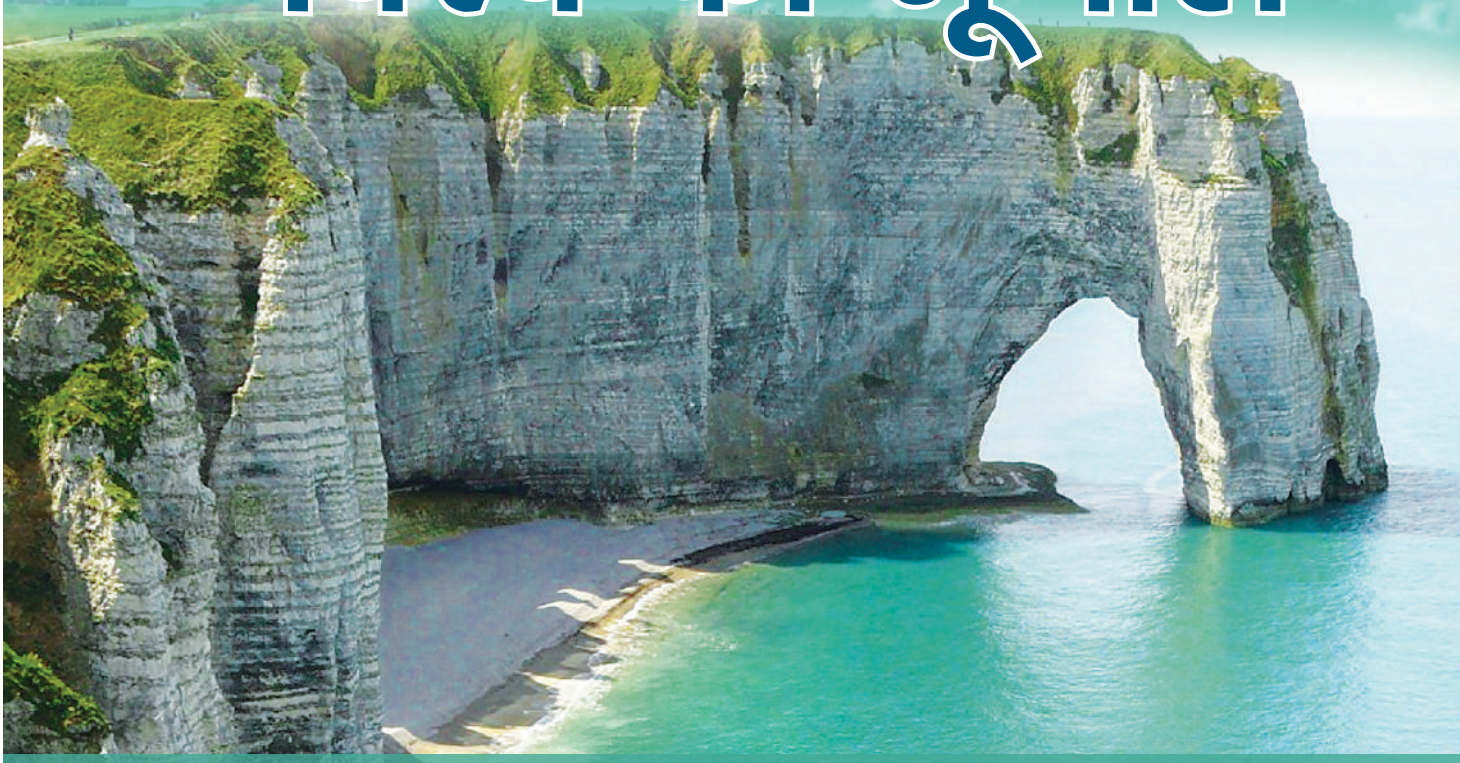

कक्षा 6 से 12 तक की पुरानी तथा नई एनसीईआरटी का
अध्यायवार वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का व्याख्या सहित हल

Think IAS

दृष्टि The Vision

Think Drishti

Quick Book शृंखला की पुस्तकें

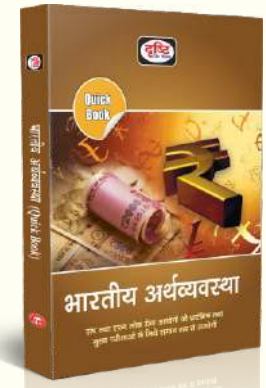

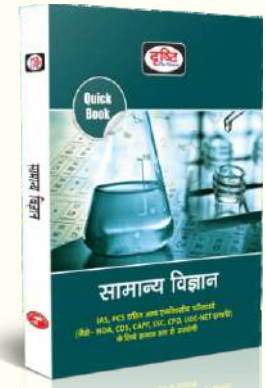

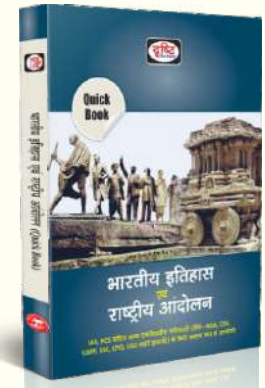

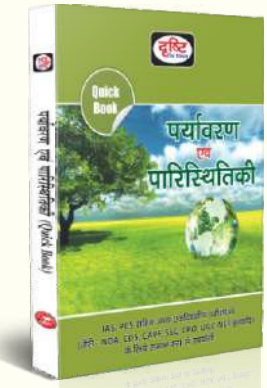

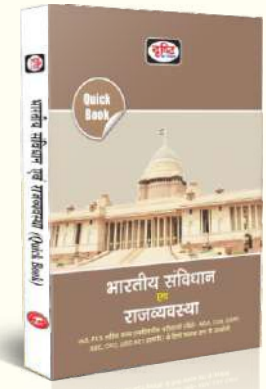

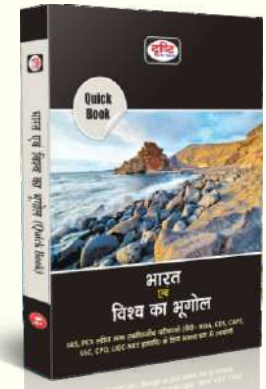

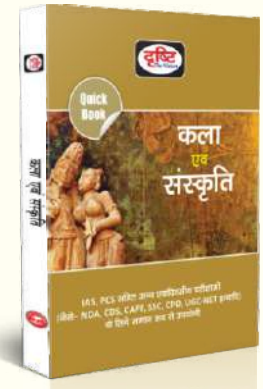

अन्य परीक्षोपयोगी पुस्तकें

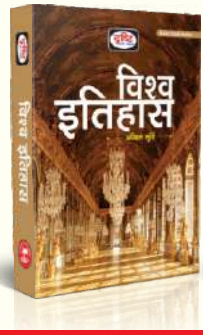

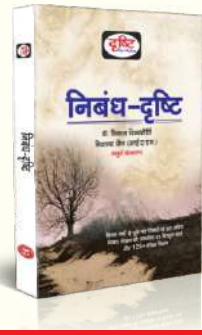

विस्तृत जानकारी क लिये कॉल करें 8448485516, 87501-87501, 011-47532596

भारत एवं विश्व का भूगोल

दृष्टि पब्लिकेशन्स

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष: 011-47532596, 87501 87501

Website:
www.drishtipublications.com, www.drishtiias.com
E-mail :
booksteam@groupdrishti.com

द्वितीय संस्करण- अगस्त 2019

मूल्य : ₹ 240

प्रकाशक

दृष्टि पब्लिकेशन्स,
(A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.)
641, प्रथम तल,
डॉ. मुखर्जी नगर,
दिल्ली-110009

विधिक घोषणाएँ

- इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये ज़िम्मेदार नहीं है।
- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।
- सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।
- **© कॉपीराइट :** दृष्टि पब्लिकेशन्स (A Unit of VDK Publications Pvt. Ltd.), सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।
- एम.पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेज़-2, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित।

दो शब्द

प्रिय पाठको,

दृष्टि पब्लिकेशन्स ने अभ्यर्थियों के हितों को ध्यान में रखते हुए 'NCERT Series' की जो नवीन शृंखला प्रारंभ की है, उसकी दूसरी कड़ी के रूप में 'भारत एवं विश्व का भूगोल' पुस्तक प्रस्तुत करते हुए अत्यंत हर्ष का अनुभव हो रहा है। इसमें कक्षा VI से XII तक की नई और पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों को प्रश्नोत्तर शैली में प्रस्तुत किया गया है। नई व पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों को शामिल करने का हमारा मुख्य ध्येय यह रहा है कि सिविल सेवा परीक्षा सहित अन्य एकदिवसीय परीक्षाओं में यदि भूगोल एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों को आधार बनाकर प्रश्न पूछे जाएँ तो अभ्यर्थियों को उनके उत्तर देने में कठिनाइयों का सामना न करना पड़े। उन्हें इस बात का मलाल न रहे कि काश! नई के साथ-साथ पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. की पुस्तकों को भी पढ़ लिया होता तो अमुक प्रश्न का सही उत्तर दे पाता। इस पुस्तक को पूरी तरह दोषरहित और सर्वोत्कृष्ट बनाने की हमारी ज़िद थी जिस कारण इसके प्रथम प्रकाशन में विलंब हुआ। किंतु हमारी मेहनत को आप पाठकों ने इतना सराहा कि अब हम इसका द्वितीय संस्करण प्रस्तुत कर रहे हैं। निश्चित ही इस संस्करण में आवश्यक तथ्यों व अवधारणाओं को अपडेट कर दिया गया है।

अब सवाल यह उठता है कि आखिर इस पुस्तक में कौन-सी ऐसी विशेषताएँ हैं जो बाज़ार में उपलब्ध भूगोल एन.सी.ई.आर.टी. की अन्य पुस्तकों से इसे अलग करती है? इसका उत्तर पुस्तक को पढ़कर कोई सुधी पाठक ही दे सकता है। मैं तो बस इतना कहना चाहूँगा कि भाषा-शैली की सरलता, संकल्पनाओं की बोधगम्यता तथा तथ्यों की त्रुटिरहित प्रस्तुति इसे बाज़ार की अन्य पुस्तकों से अलग कर देती है।

भूगोल की नई और पुरानी एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों को प्रश्नोत्तर रूप में प्रस्तुत करने का बीड़ा इस विषय में सुदीर्घ अनुभव रखने वाली हमारी 10 सदस्यीय टीम ने उठाया। पुस्तक लेखन के दौरान इन सदस्यों ने पाया कि कुछ जगहों पर तथ्यों के अपडेशन के स्तर पर हिन्दी और अंग्रेज़ी की एन.सी.ई.आर.टी. पुस्तकों में अंतर है। इस बात को ध्यान में रखकर हमने उन्हें यथासंभव प्रामाणिक स्रोतों से अपडेट करने का प्रयास किया है। कई जगहों पर हमने पाया कि एन.सी.ई.आर.टी., विभिन्न मंत्रालयों की साइटों तथा अन्य प्रामाणिक स्रोतों में मतैक्य नहीं है, वहाँ नोट डालकर विषय-वस्तु को स्पष्ट किया गया है। प्रश्नों की व्याख्या के लिये इसमें अन्य पुस्तकों की तरह आसान और सतही तरीका नहीं अपनाया गया है जिनमें सही विकल्प के बारे में दो-तीन तथ्य देकर काम निपटा दिया जाता है। हमने प्रश्न के प्रत्येक विकल्प, उससे संबंधित तथ्यों और अवधारणाओं पर विचार करते हुए उनके सही उत्तर दिये हैं। इस पुस्तक में अनावश्यक तथ्यों को शामिल करने से पूरी तरह बचा गया है ताकि अभ्यर्थियों का बहुमूल्य समय व्यर्थ न हो और कम-से-कम समय में 240 पृष्ठों की इस पुस्तक का अध्ययन कर वे अपनी सफलता को सुनिश्चित कर सकें। भाषागत स्तर पर अशुद्धियाँ नगण्य रहें, इसके लिये पुस्तक का कई चरणों में अतिसूक्ष्म तरीके से निरीक्षण किया गया है। प्रश्नोत्तर शैली में प्रस्तुत इस पुस्तक के अध्ययन से न सिर्फ भूगोल संबंधी आपकी समझ का दायरा विस्तृत होगा, बल्कि अगर आप पूरे मनोयोग से व्याख्याओं का अध्ययन करते हैं तो परीक्षा हॉल में जटिल अवधारणात्मक प्रश्नों के उत्तर भी सहजता से दे पाएंगे।

अब पुस्तक आपके हाथ में है। अब आप ही तय करेंगे कि पुस्तक आपकी अपेक्षाओं पर कितनी खरी उतरी, पर मुझे विश्वास है कि यह आपकी तैयारी और सफलता में उपयोगी सिद्ध होगी। वैसे तो इस पुस्तक को त्रुटिरहित बनाने का पूरा प्रयास किया गया है लेकिन कोई भी कृति शत-प्रतिशत दोषरहित नहीं होती। उसमें कुछ कमियों का रह जाना स्वाभाविक है। अतः मेरा निवेदन है कि आप पुस्तक को पाठक के साथ-साथ आलोचक की नज़र से भी पढ़ें। **अगर आपको इसमें कोई भी कमी दिखे तो अपनी बात बेझिझक '8130392355' नंबर पर वाट्सएप मैसेज से भेज दें।** आपकी टिप्पणियों और सुझावों के आधार पर हम पुस्तक के आगामी संस्करणों को और भी बेहतर बना सकेंगे।

साभार,

प्रधान संपादक

दृष्टि पब्लिकेशन्स

अनुक्रम

कक्षा–VI 1-26

◆ **सामाजिक विज्ञान–पृथ्वी : हमारा आवास**

1. सौरमंडल में पृथ्वी
2. ग्लोब : अक्षांश और देशांतर
3. पृथ्वी की गतियाँ
4. मानचित्र
5. पृथ्वी के प्रमुख परिमंडल
6. पृथ्वी के प्रमुख स्थलरूप
7. हमारा देश : भारत
8. भारत : जलवायु, वनस्पति तथा वन्य प्राणी

पुरानी एन.सी.ई.आर.टी.

◆ **देश और उनके निवासी, भाग–I**

1. अफ्रीका
2. दक्षिण अमेरिका
3. ऑस्ट्रेलिया
4. अंटार्कटिका

कक्षा–VII 27-57

◆ **सामाजिक विज्ञान–हमारा पर्यावरण**

1. पर्यावरण
2. हमारी पृथ्वी के अंदर
3. हमारी बदलती पृथ्वी
4. वायु
5. जल
6. प्राकृतिक वनस्पति एवं वन्य जीवन
7. मानवीय पर्यावरण : बस्तियाँ, परिवहन एवं संचार
8. मानव पर्यावरण अन्योन्यक्रिया : उष्णकटिबंधीय एवं उपोष्ण प्रदेश
9. शीतोष्ण घासस्थलों में जीवन
10. रेगिस्तान में जीवन

पुरानी एन.सी.ई.आर.टी.

◆ **देश और उनके निवासी, भाग–II**

1. उत्तर अमेरिका
2. यूरोप

कक्षा–VIII 58-77

◆ सामाजिक विज्ञान–संसाधन एवं विकास

1. संसाधन
2. भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन संसाधन
3. खनिज और शक्ति संसाधन
4. कृषि
5. उद्योग
6. मानव संसाधन

पुरानी एन.सी.ई.आर.टी.

◆ देश और उनके निवासी, भाग–III

1. एशिया

कक्षा–IX एवं XI 78-118

◆ कक्षा–IX : सामाजिक विज्ञान–समकालीन भारत–1
कक्षा–XI : भारत : भौतिक पर्यावरण

1. भारत-आकार और स्थिति
2. भारत का भौतिक स्वरूप
3. भारत का अपवाह तंत्र
4. जलवायु
5. प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी
6. मृदा

कक्षा–X 119-135

◆ सामाजिक विज्ञान–समकालीन भारत–2

1. संसाधन एवं विकास
2. वन एवं वन्यजीव संसाधन
3. जल संसाधन
4. कृषि
5. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन
6. विनिर्माण उद्योग
7. राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की जीवन रेखाएँ

कक्षा–XI

136-169

◆ **भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत**

1. भूगोल-एक विषय के रूप में
2. पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास
3. पृथ्वी की आंतरिक संरचना
4. महासागरों और महाद्वीपों का वितरण
5. खनिज एवं शैल
6. भू-आकृतिक प्रक्रियाएँ
7. भू-आकृतियाँ तथा उनका विकास
8. वायुमंडल का संघटन तथा संरचना
9. सौर विकिरण, ऊष्मा संतुलन एवं तापमान
10. वायुमंडलीय परिसंचरण तथा मौसम प्रणालियाँ
11. वायुमंडल में जल
12. विश्व की जलवायु एवं जलवायु परिवर्तन
13. महासागरीय जल
14. महासागरीय जल संचलन
15. पृथ्वी पर जीवन
16. जैव विविधता एवं संरक्षण

कक्षा–XII

170-233

◆ **मानव भूगोल के मूल सिद्धांत**

1. मानव भूगोल-प्रकृति एवं विषय क्षेत्र
2. विश्व जनसंख्या-वितरण, घनत्व और वृद्धि
3. जनसंख्या संघटन
4. मानव विकास
5. प्राथमिक क्रियाएँ
6. द्वितीयक क्रियाएँ
7. तृतीयक और चतुर्थ क्रियाकलाप
8. परिवहन एवं संचार
9. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
10. मानव बस्ती

◆ **भारत : लोग और अर्थव्यवस्था**

1. जनसंख्या : वितरण, घनत्व, वृद्धि और संघटन
2. प्रवास : प्रकार, कारण और परिणाम
3. मानव विकास
4. मानव बस्तियाँ
5. भू-संसाधन तथा कृषि
6. जल संसाधन
7. खनिज तथा ऊर्जा संसाधन
8. निर्माण उद्योग
9. भारत के संदर्भ में नियोजन और सतत् पोषणीय विकास
10. परिवहन तथा संचार
11. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
12. भौगोलिक परिप्रेक्ष्य में चयनित कुछ मुद्दे एवं समस्याएँ

सामाजिक विज्ञान–पृथ्वी : हमारा आवास

कक्षा VI

1. सौरमंडल में पृथ्वी

1. निम्नलिखित में से कौन-से खगोलीय पिंड हैं?

1. सूर्य
2. चंद्रमा
3. पृथ्वी
4. उल्का पिंड

कूट:

(a) केवल 1 एवं 2 (b) केवल 2 एवं 4
(c) केवल 3 एवं 4 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (d)
व्याख्या: सूर्य, चंद्रमा, पृथ्वी, उल्का पिंड तथा वे सभी वस्तुएँ जो रात के समय आसमान में चमकती हैं, 'खगोलीय पिंड' कहलाती हैं।

2. किन खगोलीय पिंडों को तारा कहते हैं?

(a) जो आकार में बहुत बड़े नहीं हों।
(b) जिनके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश होता है।
(c) जिनके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश नहीं होता।
(d) जो अपने अक्ष में घूमते हुए दूसरे पिंड की परिक्रमा करते हैं।

उत्तर: (b)
व्याख्या: कुछ खगोलीय पिंड बड़े आकार वाले तथा गर्म होते हैं। ये गैसों से बने होते हैं। इनके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश होता है, जिसको वे बड़ी मात्रा में उत्सर्जित करते हैं। इन खगोलीय पिंडों को 'तारा' कहते हैं। सूर्य भी एक तारा है।

3. तारों के विभिन्न समूहों के द्वारा बनाई गई विविध आकृतियाँ क्या कहलाती हैं?

(a) आकाश गंगा (b) सौरमंडल
(c) एंट्रोमीडा (d) नक्षत्रमंडल

उत्तर: (d)
व्याख्या: रात्रि में आसमान की ओर देखते समय तारों के विभिन्न समूहों के द्वारा बनाई गई आकृतियाँ दिखाई देती हैं, इन्हें 'नक्षत्रमंडल' कहते हैं।

4. अंतरिक्ष से संबंधित 'अर्सा मेजर' या 'बिग बीयर' का संबंध किससे है?

(a) सौरमंडल (b) नक्षत्रमंडल
(c) क्षुद्र ग्रह समूह (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (b)
व्याख्या: 'अर्सा मेजर' या 'बिग बीयर' एक प्रकार का नक्षत्रमंडल है। स्मॉल बीयर या सप्तऋषि (सात तारों का समूह) बहुत आसानी से पहचान में आने वाला नक्षत्रमंडल है। यह एक बड़े नक्षत्रमंडल अर्सा मेजर के भाग है।

5. किन खगोलीय पिंडों को 'ग्रह' कहा जाता है?

(a) जो आकार में बहुत बड़े हों
(b) जिनके पास अपनी ऊष्मा तथा प्रकाश होता है
(c) जिनके पास अपनी ऊष्मा एवं प्रकाश नहीं होता एवं जो तारों के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं
(d) जिनका अपना गुरुत्वाकर्षण बल होता है

उत्तर: (c)
व्याख्या: कुछ खगोलीय पिंडों में अपना प्रकाश एवं ऊष्मा नहीं होती है। वे तारों के प्रकाश से प्रकाशित होते हैं। ऐसे पिंड 'ग्रह' कहलाते हैं। ग्रह जिसे अंग्रेज़ी में 'प्लेनेट' (Planet) कहते हैं, ग्रीक भाषा के प्लेनेटाई (Planetai) से बना है, जिसका अर्थ होता है- परिभ्रमक अर्थात् चारों ओर घूमने वाले।

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. पृथ्वी एक ग्रह है तथा यह अपना संपूर्ण प्रकाश एवं ऊष्मा सूर्य से प्राप्त करती है।
2. पृथ्वी सूर्य से दूरी के हिसाब से चौथा ग्रह तथा आकार में तीसरा बड़ा ग्रह है।

उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2
(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)
व्याख्या: पृथ्वी, जिस पर हम रहते हैं एक ग्रह है। यह अपना संपूर्ण प्रकाश एवं ऊष्मा सूर्य से प्राप्त करती है, जो कि पृथ्वी के सबसे नज़दीक का तारा है। पृथ्वी को बहुत अधिक दूरी से, जैसे चंद्रमा से देखने पर यह चंद्रमा की तरह चमकती हुई प्रतीत होगी। सूर्य से दूरी के हिसाब से पृथ्वी तीसरा ग्रह है तथा आकार में पाँचवा सबसे बड़ा ग्रह है।

7. सूर्य से बढ़ती हुई दूरी के आधार पर ग्रहों का सही क्रम चुनिये:

(a) बुध - मंगल - शुक्र - पृथ्वी
(b) शुक्र - मंगल - पृथ्वी - बुध
(c) बुध - शुक्र - मंगल - पृथ्वी
(d) बुध - शुक्र - पृथ्वी - मंगल

उत्तर: (d)
व्याख्या: सूर्य से बढ़ती दूरी के हिसाब से ग्रहों का सही क्रम: बुध-शुक्र - पृथ्वी-मंगल-बृहस्पति-शनि-यूरेनस (अरुण)-नेप्च्यून (वरुण)।

8. नीचे दिये गए ग्रहों में से कौन-से आंतरिक ग्रह हैं?

1. बुध
2. शुक्र
3. मंगल
4. बृहस्पति

कूट:

(a) 1, 2 एवं 4 (b) 1, 2 एवं 3
(c) 2, 3 एवं 4 (d) उपर्युक्त सभी

कक्षा VII

सामाजिक विज्ञान – हमारा पर्यावरण

1. पर्यावरण

1. निम्नलिखित में से कौन-सा/से घटक पर्यावरण के अंतर्गत शामिल है/हैं?

   1. मनुष्य
   2. धरातलीय स्थलाकृति
   3. मानव निर्मित वस्तुएँ
   4. प्राकृतिक वस्तुएँ

   कूट:

   (a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 1, 3 और 4
   (c) केवल 2 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (d)
व्याख्या: किसी भी जीवित प्राणी के चारों ओर पाये जाने वाले लोग, स्थान, वस्तुएँ एवं प्रकृति को 'पर्यावरण' कहते हैं। यह प्राकृतिक एवं मानव-निर्मित परिघटनाओं का मिश्रण है। प्राकृतिक पर्यावरण में पृथ्वी पर पाई जाने वाली जैविक एवं अजैविक दोनों परिस्थितियाँ सम्मिलित हैं, जबकि मानवीय पर्यावरण में मानव की परस्पर प्रतिक्रियाएँ, उनकी गतिविधियाँ एवं उनके द्वारा बनाई गई रचनाएँ (Creations) सम्मिलित हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य हैं?

   1. पृथ्वी के वायुमंडल का अस्तित्व, उसके गुरुत्वाकर्षण बल के कारण है।
   2. वायुमंडल में परिवर्तन होने से मौसम एवं जलवायु में परिवर्तन होता है।
   3. पादप एवं जीव-जंतु मिलकर जैव मंडल का निर्माण करते हैं।

   कूट:

   (a) 1 और 2 (b) 2 और 3
   (c) 1 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (d)
व्याख्या: उपर्युक्त तीनों कथन सत्य हैं।
- पृथ्वी के चारों ओर फैली हुई वायु की पतली परत को 'वायुमंडल' कहते हैं। पृथ्वी का गुरुत्वाकर्षण बल अपने चारों ओर के वायुमंडल को थामे रखता है। यह हमें सूर्य की हानिकारक किरणों से बचाता है। इसमें कई प्रकार की गैसें, धूलकण एवं जलवाष्प उपस्थित रहते हैं। वायुमंडल में परिवर्तन होने पर मौसम एवं जलवायु में परिवर्तन होता है।
- पादप एवं जीव-जंतु मिलकर जैवमंडल का निर्माण करते हैं। यह पृथ्वी का वह संकीर्ण क्षेत्र है, जहाँ स्थल, जल एवं वायु मिलकर जीवन को संभव बनाते हैं।

3. 'पर्यावरण' शब्द की उत्पत्ति किस भाषा से हुई है?

   (a) फ्रेंच (b) जर्मन
   (c) संस्कृत (d) अंग्रेज़ी

उत्तर: (a)
व्याख्या: पर्यावरण यानी 'एनवायरनमेंट' शब्द की उत्पत्ति फ्रेंच शब्द 'एनवायरोनेर' या 'एनवायरोन्नेर' से हुई है, जिसका अर्थ है- 'पड़ोस' (Neighbourhood)। कुछ स्रोतों में यह भी पढ़ने को मिलता है कि The word "Environment' comes from the French verb **"Environner"** which means to surround, **surroundings** or something that surrounds.

4. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन 'पारितंत्र' को सही तरीके से परिभाषित करता है?

   (a) एक-दूसरे से अन्योन्यक्रिया करने वाले जीवों का समुदाय।
   (b) पृथ्वी का वह स्थान जहाँ सजीव रहते हैं।
   (c) जीवधारियों का आपसी संबंध एवं पर्यावरण के बीच का संबंध जिसमें वे रहते हैं।
   (d) किसी भी भौगोलिक क्षेत्र की वनस्पति एवं प्राणी।

उत्तर: (c)
व्याख्या: सभी पेड़-पौधे एवं जीव-जंतु अपने आस-पास के पर्यावरण पर आश्रित होते हैं। जीवधारियों का आपसी एवं अपने आस-पास के पर्यावरण के बीच का संबंध ही पारितंत्र का निर्माण करता है।
- वह तंत्र जिसमें समस्त जीवधारी आपस में एक-दूसरे के साथ तथा पर्यावरण के उन भौतिक एवं रासायनिक कारकों के साथ परस्पर क्रिया करते हैं, जिसमें वे निवास करते हैं, उसे पारितंत्र कहा जाता है। ये सब ऊर्जा तथा पदार्थ के स्थानांतरण द्वारा संबद्ध हैं।

5. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये:

सूची-I	सूची-II
A. जैवमंडल	1. पृथ्वी के चारों ओर फैली वायु की पतली परत
B. वायुमंडल	2. जलीय क्षेत्र
C. जलमंडल	3. पृथ्वी का वह संकीर्ण क्षेत्र जहाँ स्थल, जल एवं वायु मिलकर जीवन को संभव बनाते हैं
D. स्थलमंडल	4. पृथ्वी की ठोस पर्पटी या कठोर उपरी परत

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	4	2	3	1
(c)	3	1	2	4
(d)	4	3	2	1

उत्तर: (c)
व्याख्या: पादप एवं जीव-जंतु मिलकर **जैवमंडल** या **सजीव संसार** का निर्माण करते हैं। यह पृथ्वी का वह संकीर्ण क्षेत्र है, जहाँ स्थल, जल एवं वायु मिलकर जीवन को संभव बनाते हैं।

कक्षा VIII

सामाजिक विज्ञान–संसाधन एवं विकास

1. संसाधन

1. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन पेटेंट को सही तरीके से परिभाषित करता है/हैं?
   (a) किसी विचार अथवा आविष्कार पर एकमात्र अधिकार
   (b) किसी कलात्मक पूंजी पर एकमात्र अधिकार
   (c) किसी व्यावसायिक बौद्धिक पूंजी पर एकमात्र अधिकार
   (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (a)
व्याख्या: 'पेटेंट' से तात्पर्य किसी विचार अथवा आविष्कार पर एकमात्र अधिकार से है। इसका संकेत R है।
- कलात्मक पूंजी, जैसे- किताबें, लेख या चित्र आदि पर एकमात्र अधिकार को 'कॉपीराइट' कहा जाता है। इसका संकेत C है।
- व्यावसायिक बौद्धिक पूंजी के स्वामित्व को 'ट्रेडमार्क' कहा जाता है। इसका संकेत TM है।

2. नीचे दिये गए कथनों में से कौन-सा कथन 'सतत् पोषणीय विकास' को परिभाषित करता है?
   (a) आर्थिक विकास के लिये संसाधनों का उपयोग
   (b) प्राकृतिक संसाधनों का सभी लोगों के बीच समान रूप से वितरण
   (c) संसाधनों का उपयोग करने की आवश्यकता और भविष्य के लिये उनके संरक्षण में संतुलन बनाए रखना
   (d) संसाधनों का पर्याप्त दोहन, ताकि वर्तमान पीढ़ी की आवश्यकता की पूर्ति हो सके

उत्तर: (c)
व्याख्या: संसाधनों का सतर्कतापूर्वक उपयोग करना और उन्हें नवीकरण के लिये समय देना, 'संसाधन संरक्षण' कहलाता है।
- संसाधनों का उपयोग करने की आवश्यकता और भविष्य के लिये उनके संरक्षण में संतुलन बनाए रखना ही 'सतत् पोषणीय विकास' कहलाता है अर्थात् संसाधनों का सावधानीपूर्वक उपयोग करना, ताकि न केवल वर्तमान पीढ़ी की अपितु भावी पीढ़ियों की आवश्यकताएँ पूरी होती रहें।

3. संसाधनों के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये:
   1. वे संसाधन जिनकी मात्रा ज्ञात होती है उन्हें 'वास्तविक संसाधन' कहते हैं।
   2. वे संसाधन जिनकी संपूर्ण मात्रा ज्ञात नहीं हो सकती उन्हें 'संभाव्य संसाधन' कहते हैं।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)
व्याख्या: उपर्युक्त दोनों कथन सत्य हैं।
- वास्तविक संसाधनों की मात्रा ज्ञात होती है जिनका वर्तमान में उपयोग भी किया जा रहा है। उदाहरण के रूप में रूर प्रदेश का कोयला, पश्चिम एशिया का खनिज तेल आदि।
- संभाव्य संसाधनों की मात्रा ज्ञात नहीं होती है, किंतु इनका उपयोग भविष्य में किया जा सकता है। उदाहरण के रूप में लद्दाख में पाया जाने वाला यूरेनियम आदि।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा/से अजैव संसाधन है/हैं?
   1. मृदा 2. चट्टानें
   3. वृक्ष 4. खनिज

   कूट:
   (a) केवल 2 और 4 (b) केवल 1, 2 और 4
   (c) केवल 4 (d) 1, 2, 3 और 4

उत्तर: (b)
व्याख्या: संसाधनों को उत्पत्ति के आधार पर अजैव व जैव संसाधनों में वर्गीकृत किया जा सकता है। अजैव संसाधन निर्जीव वस्तुएँ होती हैं, जैसे- मृदा, चट्टानें और खनिज आदि। वहीं जैव संसाधन सजीव होते हैं, जैसे- पौधे व जंतु आदि।

2. भूमि, मृदा, जल, प्राकृतिक वनस्पति और वन्य जीवन संसाधन

1. मृदा निर्माण के संबंध में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये:
   1. मृदा अपक्षय की प्रक्रिया के माध्यम से बनती है।
   2. वनस्पति, प्राणी और सूक्ष्म जीव ह्यूमस निर्माण की दर को प्रभावित करते हैं।
   3. उच्चावच तुंगता और ढाल मृदा परिच्छेदिका की मोटाई को निश्चित करते हैं।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 3 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (a)
व्याख्या: कथन **1** एवं **2** सत्य हैं तथा कथन **3** असत्य है।
- मृदा का निर्माण चट्टानों से प्राप्त खनिजों और जैव पदार्थों तथा भूमि पर पाये जाने वाले खनिजों से होता है। मृदा अपक्षय की प्रक्रिया के माध्यम से बनती है। मृदा निर्माण की प्रक्रिया विभिन्न कारकों द्वारा प्रभावित होती है।
  - जलवायु, तापमान, वर्षा, अपक्षय और ह्यूमस मृदा निर्माण की दर को प्रभावित करते हैं।
  - समय, मृदा परिच्छेदिका की मोटाई को निश्चित करता है।

भूगोल

नोट: कक्षा IX : सामाजिक विज्ञान-समकालीन भारत-1 एवं कक्षा XI - भारत : भौतिक पर्यावरण

1. भारत-आकार और स्थिति

1. भारत के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये:
   1. भारत देश उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
   2. भारत का सबसे पूर्वी देशांतर 80°7' है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)
व्याख्या:
- केवल कथन 1 सत्य है। भारत उत्तरी गोलार्द्ध में स्थित है।
- कथन 2 असत्य है। भारत का मुख्य भाग 8°4' उत्तर से 37°6' उत्तरी अक्षांश तथा 68°7' पूर्व से 97°25' पूर्वी देशांतर तक विस्तारित है।

2. निम्नलिखित में से कौन-सा भारतीय संघराज्य का सबसे दक्षिणी बिंदु है?
   (a) इंदिरा कॉल (b) इंदिरा पॉइंट
   (c) कन्याकुमारी (d) पॉइंट पेड्रो

उत्तर: (b)
व्याख्या:
- भारतीय संघराज्य के सबसे दक्षिणी बिंदु को 'इंदिरा पॉइंट' कहा जाता है। सन् 2004 में सुनामी आने के कारण यह क्षेत्र जलमग्न हो गया।
- भारतीय संघ राज्य का सबसे उत्तरी बिंदु 'इंदिरा कॉल' है, जो जम्मू-कश्मीर राज्य में है तथा सबसे पश्चिमी बिंदु 'गुहर मोती' (गुजरात) और सबसे पूर्वी बिंदु 'किबिथु' (अरुणाचल प्रदेश) है।

3. भारत के संदर्भ में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये:
   1. भारत का क्षेत्रफल विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 3 प्रतिशत है।
   2. भारत की उत्तर-पूर्वी सीमा पर भ्रंशोत्थ पर्वत अवस्थित है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों
   (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)
व्याख्या:
- कथन 1 असत्य है। भारत के भू-भाग का कुल क्षेत्रफल लगभग 32.8 लाख वर्ग किमी. है, जो विश्व के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 2.4 प्रतिशत है।
- भारत विश्व का सातवाँ बड़ा देश है। भौगोलिक क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत से 6 बड़े देश हैं- रूस, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, चीन, ब्राज़ील और ऑस्ट्रेलिया।

नोट: पुरानी NCERT कक्षा-VIII की भूगोल की पाठ्यपुस्तक 'देश और उनके निवासी, भाग-3' में आकार की दृष्टि से चीन को संसार का तीसरा सबसे बड़ा देश बताया गया है।
- कथन 2 भी असत्य है। भारत के उत्तर-पश्चिम, उत्तर तथा उत्तर-पूर्वी सीमा पर नवीन वलित पर्वत 'हिमालय' अवस्थित है।

4. निम्नलिखित में से क्षेत्रफल के आधार पर भारत का सबसे बड़ा एवं सबसे छोटा राज्य क्रमश: कौन-सा है?
   (a) गुजरात, सिक्किम (b) राजस्थान, गोवा
   (c) उत्तर प्रदेश, गोवा (d) मध्य प्रदेश, त्रिपुरा

उत्तर: (b)
व्याख्या: क्षेत्रफल के आधार पर भारत का सबसे बड़ा राज्य राजस्थान है, जबकि सबसे छोटा राज्य गोवा है।

5. पुदुच्चेरी केंद्रशासित प्रदेश तीन राज्यों में फैला हुआ है। इसके विभिन्न ज़िलों और उनकी अवस्थितियों के संबंध में नीचे दिये गए युग्मों को सुमेलित कीजिये:
   1. यनम - आंध्र प्रदेश
   2. कराईकल - तमिलनाडु
   3. माहे - केरल

   कूट:
   (a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)
व्याख्या: उपर्युक्त सभी युग्म सुमेलित हैं।
- पुदुच्चेरी बंगाल की खाड़ी के पूर्व में स्थित एक केंद्रशासित प्रदेश है, जो मुख्यत: 4 बिना जुड़े हुए ज़िलों से मिलकर बना है। ये ज़िले हैं- पुदुच्चेरी, कराईकल, यनम, माहे।
  - यनम, आंध्र प्रदेश में बंगाल की खाड़ी के पास स्थित है।
  - कराईकल, तमिलनाडु में स्थित है।
  - माहे, अरब सागर (केरल) में स्थित है।

सामाजिक विज्ञान–समकालीन भारत–2

1. संसाधन एवं विकास

1. मनुष्य, वनस्पतिजात एवं प्राणीजात किस प्रकार के संसाधन हैं?
   (a) जैव संसाधन
   (b) अजैव संसाधन
   (c) नवीकरण योग्य संसाधन
   (d) संभावी संसाधन

उत्तर: (a)
व्याख्या: हमारे पर्यावरण में उपलब्ध प्रत्येक वस्तु जो हमारी आवश्यकताओं को पूरा करने में प्रयुक्त की जा सकती है और जिसको बनाने के लिये प्रौद्योगिकी उपलब्ध है, जो आर्थिक रूप से संभाव्य और सांस्कृतिक रूप से मान्य है, एक 'संसाधन' है।

- उत्पत्ति के आधार पर संसाधनों को दो वर्गों में विभाजित किया जाता है- जैव और अजैव।
- जैव संसाधनों की प्राप्ति जैवमंडल से होती है और इनमें जीवन व्याप्त है, जैसे- मनुष्य, वनस्पतिजात, प्राणिजात, मत्स्य जीवन, पशुधन आदि।

वे सारे संसाधन जो निर्जीव वस्तुओं से बने हैं, 'अजैव संसाधन' कहलाते हैं। उदाहरण- चट्टानें और धातुएँ।

2. संसाधनों के वर्गीकरण से संबंधित निम्नलिखित में से कौन-सा/से युग्म सुमेलित है/हैं?
   1. समाप्यता के आधार पर — नवीकरण योग्य और अनवीकरण योग्य
   2. स्वामित्व के आधार पर — राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय
   3. विकास के स्तर के आधार पर — संभावी संसाधन और संचित कोष

   कूट:
   (a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
   (c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)
व्याख्या: संसाधनों का वर्गीकरण निम्न प्रकार से किया जा सकता है-

- उत्पत्ति के आधार पर-जैव संसाधन और अजैव संसाधन।
- समाप्यता के आधार पर-नवीकरण योग्य संसाधन और अनवीकरण योग्य संसाधन।
- नवीकरण योग्य संसाधन वे संसाधन हैं, जिन्हें भौतिक, रासायनिक या यांत्रिक प्रक्रियाओं द्वारा नवीकृत या पुनः उत्पन्न किया जा सकता है। जैसे- सौर तथा पवन ऊर्जा, जल, वन व वन्य जीवन।
- अनवीकरण योग्य संसाधन वे संसाधन हैं, जिनका विकास एक लंबे भू-वैज्ञानिक अंतराल में होता है। खनिज और जीवाश्म ईंधन इस प्रकार के संसाधनों के उदाहरण हैं।
- **स्वामित्व के आधार पर:** व्यक्तिगत संसाधन, सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन, राष्ट्रीय संसाधन और अंतर्राष्ट्रीय संसाधन।
- व्यक्तिगत संसाधन निजी व्यक्तियों के स्वामित्व में भी होते हैं। बहुत से किसानों के पास सरकार द्वारा आवंटित भूमि होती है जिसके बदले में वे सरकार को लगान चुकाते हैं। बाग, चारागाह, तालाब और कुओं का जल आदि संसाधनों के निजी स्वामित्व के कुछ उदाहरण हैं।
- सामुदायिक स्वामित्व वाले संसाधन वे संसाधन हैं, जो समुदाय के सभी सदस्यों को उपलब्ध होते हैं। गाँव की शामिलात भूमि (चारण भूमि, श्मशान भूमि, तालाब इत्यादि) और नगरीय क्षेत्रों के सार्वजनिक पार्क, पिकनिक स्थल और खेल के मैदान, वहाँ रहने वाले लोगों के लिये उपलब्ध हैं।
- **विकास के स्तर के आधार पर**- संभावी संसाधन, विकसित संसाधन, भंडार और संचित कोष।
- संभावी संसाधन वे संसाधन हैं, जो किसी प्रदेश में विद्यमान होते हैं, परंतु इनका उपयोग नहीं किया गया है। उदाहरण के तौर पर भारत के पश्चिमी भाग, विशेषकर राजस्थान और गुजरात में पवन और सौर ऊर्जा संसाधनों की अपार संभावना है, परंतु इनका सही ढंग से विकास नहीं हुआ है।
- विकसित संसाधन वे संसाधन हैं, जिनका सर्वेक्षण किया जा चुका है और उनके उपयोग की गुणवता और मात्रा निर्धारित की जा चुकी है।
- भंडार पर्यावरण में उपलब्ध वे पदार्थ हैं, जो मानव की आवश्यकताओं की पूर्ति कर सकते हैं, परंतु उपयुक्त प्रौद्योगिकी के अभाव में हमारी पहुँच से बाहर है। उदाहरण के लिये जल, दो ज्वलनशील गैसों, हाइड्रोजन और ऑक्सीजन का यौगिक है तथा यह ऊर्जा का मुख्य स्रोत बन सकता है, परंतु इस उद्देश्य से इनका प्रयोग करने के लिये हमारे पास आवश्यक तकनीकी ज्ञान का अभाव है।
- संचित कोष संसाधन भंडार का ही हिस्सा है, जिन्हें उपलब्ध तकनीकी ज्ञान की सहायता से प्रयोग में लाया जा सकता है, परंतु इनका उपयोग अभी आरंभ नहीं हुआ है। इनका उपयोग भविष्य में आवश्यकता पूर्ति के लिये किया जा सकता है। बांधों का जल, वन आदि संचित कोष है, जिनका उपयोग भविष्य में किया जा सकता है।

3. रियो डि जेनेरो पृथ्वी सम्मेलन, 1992 में किन समस्याओं का हल ढूंढने का प्रयास किया गया?
   1. पर्यावरणीय समस्या
   2. सामाजिक-आर्थिक विकास की समस्या
   3. वन्यजीवों की तस्करी की समस्या

   कूट:
   (a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
   (c) केवल 1 और 3 (d) उपर्युक्त सभी

उत्तर: (b)
व्याख्या: जून 1992 में 100 से भी अधिक राष्ट्राध्यक्ष ब्राज़ील के शहर रियो डि जेनेरो में प्रथम अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी सम्मेलन में एकत्रित हुए।

- इस सम्मेलन का आयोजन विश्व स्तर पर उभरते पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक-आर्थिक विकास की समस्याओं का हल ढूंढने के लिये किया गया था।
- इस सम्मेलन में एकत्रित नेताओं ने भूमंडलीय जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता पर एक घोषणा-पत्र पर हस्ताक्षर भी किये।

भौतिक भूगोल के मूल सिद्धांत

1. भूगोल-एक विषय के रूप में

1. निम्नलिखित में से किसने सर्वप्रथम 'भूगोल' शब्द का प्रयोग किया था?
   (a) इरेटोस्थनीज़ (b) अरस्तू
   (c) गैलीलियो (d) भास्कराचार्य

उत्तर: (a)
व्याख्या: सर्वप्रथम 'भूगोल' (Geography) शब्द का प्रयोग इरेटोस्थनीज़, एक ग्रीक विद्वान (276-194 ई.पू.) ने किया। यह शब्द, ग्रीक भाषा के दो मूल शब्दों 'Geo' (पृथ्वी) एवं 'Graphos' (वर्णन) से प्राप्त किया गया है। दोनों को एक साथ रखने पर इसका अर्थ बनता है- 'पृथ्वी का वर्णन'।

2. पृथ्वी की उत्पत्ति एवं विकास

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. निहारिका (Nebula) को सौरमंडल का जनक माना जाता है।
   2. सूर्य व क्षुद्र ग्रहों की पट्टी के बीच स्थित ग्रहों को भीतरी ग्रह (Inner Planets) कहा जाता है।
   3. हमारे सौरमंडल में क्षुद्र ग्रह पट्टी के बाहर अवस्थित ग्रहों को बाहरी ग्रह (Outer Planets) कहा जाता है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
   (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)
व्याख्या: उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।
- हाइड्रोजन गैस से बने विशाल बादलों के संचयन को 'निहारिका' (Nebula) कहा जाता है। निहारिका को सौरमंडल का जनक माना जाता है।
- सूर्य तथा क्षुद्र ग्रह पट्टी के बीच अवस्थित बुध, शुक्र, पृथ्वी व मंगल ग्रह को 'भीतरी ग्रह' (Inner Planets) कहा जाता है।
- क्षुद्र ग्रह पट्टी के बाहर स्थित ग्रहों, जैसे- बृहस्पति, शनि, यूरेनस और नेप्च्यून को 'बाहरी ग्रह' (Outer Planets) कहा जाता है।

2. **कथन (A):** बुध, शुक्र व मंगल ग्रह को 'पार्थिव (Terrestrial) ग्रह' कहा जाता है।
   कारण (R): बुध, शुक्र व मंगल ग्रह गैसों से बने हैं।
   कूट:
   (a) A और R दोनों सही हैं तथा R, A की सही व्याख्या करता है।
   (b) A और R दोनों सही हैं किंतु R, A की सही व्याख्या नहीं करता है।
   (c) A सही है, R गलत है।
   (d) A गलत है, R सही है।

उत्तर: (c)
व्याख्या: सूर्य और क्षुद्र ग्रह पट्टी के बीच अवस्थित बुध, शुक्र, पृथ्वी व मंगल ग्रह को 'पार्थिव ग्रह' (Terrestrial Planet) कहा जाता है। अत: कथन सही है।
- बुध, शुक्र व मंगल ग्रह पृथ्वी की भाँति ही शैलों और धातुओं से बने हैं और अपेक्षाकृत अधिक घनत्व वाले ग्रह हैं। इसी कारण इनको 'पार्थिव ग्रह' कहा जाता है। अत: कारण गलत है।
- अन्य चार ग्रह (बृहस्पति, शनि, यूरेनस, नेप्च्यून) गैस से बने 'विशाल ग्रह' या 'जोवियन (Jovian) ग्रह' कहलाते हैं। जोवियन का अर्थ है- बृहस्पति (Jupiter) की तरह। इनमें से अधिकतर पार्थिव ग्रहों से विशाल हैं और हाइड्रोजन व हीलियम से बना सघन वायुमंडल है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. आधुनिक समय में ब्रह्मांड की उत्पत्ति संबंधी सर्वमान्य सिद्धांत बिग-बैंग सिद्धांत है।
   2. 1920 में एडविन हब्बल ने प्रमाण दिया कि ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है।
   3. प्रकाश वर्ष दूरी का मापक है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)
व्याख्या: उपर्युक्त सभी कथन सत्य हैं।
- आधुनिक समय में ब्रह्मांड की उत्पत्ति संबंधी सर्वमान्य सिद्धांत बिग बैंग सिद्धांत (Big Bang Theory) है। इसे विस्तारित ब्रह्मांड परिकल्पना (Expanding Universe Hypothesis) भी कहा जाता है।
- 1920 में एडविन हब्बल (Edwin Hubble) ने प्रमाण दिया कि ब्रह्मांड का विस्तार हो रहा है, जिसको उन्होंने आकाशगंगाओं के बीच बढ़ रही दूरी के आधार पर सिद्ध किया।
- प्रकाश वर्ष दूरी का मापक है। एक वर्ष में प्रकाश 1 लाख, 86 हज़ार मील/सेकंड के वेग से निर्वात में जितनी दूरी तय करेगा, वह 1 प्रकाश वर्ष होगा। यह 9.461×10^{12} किमी. के बराबर है।
- पृथ्वी और सूर्य की औसत दूरी 14 करोड़, 95 लाख, 98 हज़ार किलोमीटर है। प्रकाश वर्ष के संदर्भ में यह प्रकाश वर्ष का केवल 8.311 मिनट है।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. जुरैसिक कल्प में डायनासोर का विकास हुआ।
   2. स्थल पर जीवन के प्रथम चिह्न (पौधे) का विकास सिलुरियन कल्प में हुआ।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

मानव भूगोल के मूल सिद्धांत

1. मानव भूगोल-प्रकृति एवं विषय क्षेत्र

1. मानव भूगोल के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. मानव भूगोल, मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।
   2. मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।
   3. हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों तथा पृथ्वी पर रहने वाले जीवों के मध्य संबंधों के अधिक संश्लेषित ज्ञान से उत्पन्न संकल्पना मानव भूगोल है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

   (a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 1 और 2 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)
व्याख्या: मानव भूगोल के संबंध में कई आधारों पर विद्वानों द्वारा परिभाषाएँ दी गई, जो निम्नलिखित हैं-

- **रैटज़ेल के अनुसार,** "मानव भूगोल मानव समाजों और धरातल के बीच संबंधों का संश्लेषित अध्ययन है।" इनके द्वारा दी गई परिभाषा में संश्लेषण पर ज़ोर दिया गया है।
- **एलन सी. सेंपल के अनुसार,** "मानव भूगोल अस्थिर पृथ्वी और क्रियाशील मानव के बीच परिवर्तनशील संबंधों का अध्ययन है।" इस परिभाषा में संबंधों की गत्यात्मकता मुख्य शब्द है।
- **पॉल विडाल-डी-ला ब्लाश के अनुसार,** "हमारी पृथ्वी को नियंत्रित करने वाले भौतिक नियमों तथा पृथ्वी पर रहने वाले जीवों के मध्य संबंधों के अधिक संश्लेषित ज्ञान से उत्पन्न संकल्पना मानव भूगोल है।"

इस प्रकार मानव भूगोल पृथ्वी और मनुष्य के अंतर्संबंधों की एक नई संकल्पना प्रस्तुत करता है।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. भौतिक भूगोल मानव जगत् के बीच संबंध, मानवीय परिघटनाओं का स्थानिक वितरण तथा उनके घटित होने के कारण एवं विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक और आर्थिक विभिन्नताओं का अध्ययन करता है।
   2. कोई भी घटना अथवा परिघटना जो दिक् काल के संदर्भ में परिवर्तित होती है, उसका भौगोलिक ढंग से अध्ययन नहीं किया जा सकता है।
   3. भूगोल का मुख्य सरोकार पृथ्वी को मानव के घर के रूप में समझना और उन सभी तत्त्वों का अध्ययन करना है, जिन्होंने मानव को पोषित किया है।
   4. मानव भूगोल सिर्फ भौतिक भूगोल का अध्ययन करता है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही नहीं है/हैं?

   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
   (c) केवल 1, 2 और 4 (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (c)
व्याख्या: भौतिक भूगोल के अंतर्गत भौतिक पर्यावरण का अध्ययन किया जाता है। अत: कथन 1 सही नहीं है।

- मानव भूगोल न सिर्फ भौतिक भूगोल बल्कि भौतिक/प्राकृतिक एवं मानवीय जगत् के बीच संबंध, मानवीय परिघटनाओं का स्थानिक वितरण तथा उनके घटित होने के कारण एवं विश्व के विभिन्न भागों में सामाजिक और आर्थिक विभिन्नताओं का अध्ययन करता है। अत: कथन 4 सही नहीं है।
- एक अध्ययन क्षेत्र के रूप में भूगोल समाकलनात्मक, आनुभविक एवं व्यावहारिक है। अत: भूगोल की पहुँच विस्तृत है और किसी भी घटना अथवा परिघटना जो दिक् काल के संदर्भ में परिवर्तित होती है, उसका भौगोलिक ढंग से अध्ययन किया जा सकता है। अत: कथन 2 सही नहीं है।
- एक विषय के रूप में भूगोल का सरोकार पृथ्वी को मानव के घर के रूप में समझना और उन सभी तत्त्वों का अध्ययन करना है, जिन्होंने मानव को पोषित किया है। अत: कथन 3 सही है।

3. निम्नलिखित में से कौन-सा एक मानव और पर्यावरण के बीच अन्योन्यक्रिया का सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण कारक है?
   (a) मानव का अनुभव
   (b) मानव की बुद्धिमत्ता
   (c) प्रौद्योगिकी
   (d) मानव कल्याण

उत्तर: (c)
व्याख्या: मनुष्य प्रौद्योगिकी की सहायता से अपने भौतिक पर्यावरण से अन्योन्यक्रिया करता है। यह महत्त्वपूर्ण नहीं है कि मानव क्या उत्पन्न और निर्माण करता है, बल्कि यह अत्यंत महत्त्वपूर्ण है कि वह किन उपकरणों और तकनीकों की सहायता से उत्पादन और निर्माण करता है। अत: विकल्प (c) सत्य है।

4. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:
   1. प्रौद्योगिकी किसी समाज के सांस्कृतिक विकास के स्तर की सूचक होती है।
   2. मानव भूगोल, भौतिक पर्यावरण तथा मानव जनित सामाजिक-सांस्कृतिक पर्यावरण के अंतर्संबंधों का अध्ययन उनकी परस्पर अन्योन्यक्रिया के द्वारा करता है।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सत्य है/हैं?

   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

Think IAS

दृष्टि The Vision

Think Drishti

Quick Book शृंखला की पुस्तकें

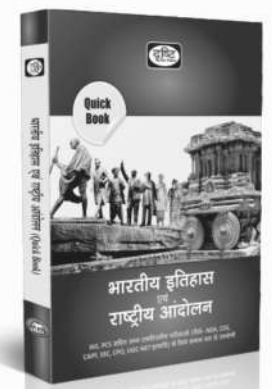

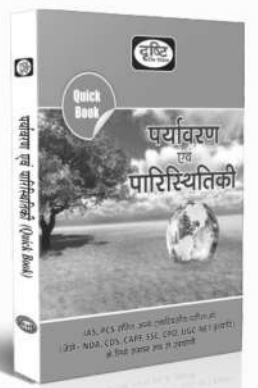

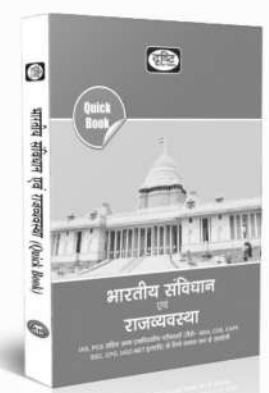

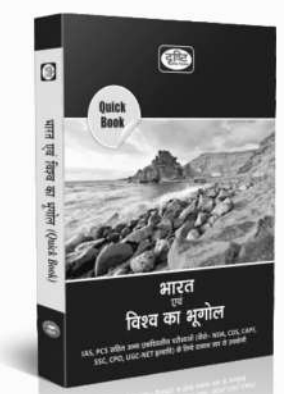

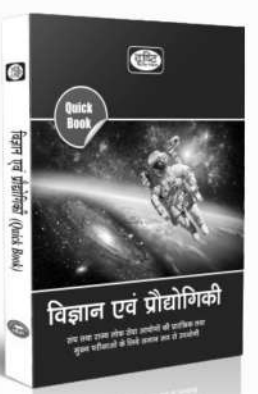

अन्य परीक्षोपयोगी पुस्तकें

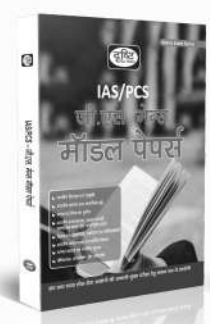

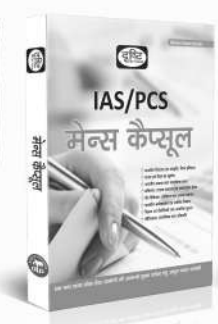

विस्तृत जानकारी क लिये कॉल करें 8448485516, 87501-87501, 011-47532596

Think IAS

दृष्टि The Vision

Think Drishti

दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम (Distance Learning Programme)

इस कार्यक्रम के अंतर्गत आप घर बैठे 'दृष्टि' द्वारा तैयार परीक्षोपयोगी पाठ्य-सामग्री मंगवा सकते हैं। यह पाठ्य-सामग्री विशेष रूप से ऐसे अभ्यर्थियों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है जो दिल्ली आकर कक्षाएँ करने में असमर्थ हैं। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सिविल सेवा और राज्य सेवा (उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, राजस्थान, बिहार, उत्तराखंड पी.सी.एस.) परीक्षाओं की पाठ्य-सामग्री उपलब्ध कराई जाती है। यह पाठ्य-सामग्री प्रत्येक परीक्षा के नवीनतम पाठ्यक्रम के अनुरूप है और इसे विभिन्न समसामयिक घटनाओं, राष्ट्रीय एवं

UPSC सिविल सेवा परीक्षा के लिये (हिंदी माध्यम में)

सामान्य अध्ययन
(प्रारंभिक परीक्षा)
(19 बुकलेट्स) ₹10,000/-

सामान्य अध्ययन
(मुख्य परीक्षा)
(26 बुकलेट्स) ₹13,000/-

इतिहास (वैकल्पिक विषय)
(12 बुकलेट्स) ₹7,000/-

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रारंभिक परीक्षा)
(27 बुकलेट्स) ₹13,000/-

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(31 बुकलेट्स) ₹15,000/-

दर्शनशास्त्र (वैकल्पिक विषय)
(4 बुकलेट्स) ₹5,000/-

सामान्य अध्ययन + सीसैट (प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(39 बुकलेट्स) ₹17,500/-

हिन्दी साहित्य (वैकल्पिक विषय)
(13 बुकलेट्स) ₹7,000/-

उत्तर प्रदेश पी.सी.एस. (UPPCS) के लिये

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(33 + 10 बुकलेट्स) (₹15,500/-)

सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(33 बुकलेट्स) (₹14,000/-)

मध्य प्रदेश पी.सी.एस. (MPPCS) के लिये

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(28 + 8 बुकलेट्स) (₹11,000/-)

सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(28 बुकलेट्स) (₹10,000/-)

राजस्थान पी.सी.एस. (RAS/RTS) के लिये

सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(34 बुकलेट्स) ₹10,500/-

बिहार पी.सी.एस. (BPSC) के लिये

सामान्य अध्ययन (प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(25 बुकलेट्स) ₹10,000/-

उत्तराखंड पी.सी.एस. (UKPSC) के लिये

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(28 बुकलेट्स) (₹10,000/-)

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(28 + 8 बुकलेट्स) (₹11,000/-)

छत्तीसगढ़ पी.सी.एस. (CGPSC) के लिये

सामान्य अध्ययन
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(35 बुकलेट्स) (₹14,000/-)

सामान्य अध्ययन + सीसैट
(प्रा.+ मुख्य परीक्षा)
(35 + 6 बुकलेट्स) (₹15,500/-)

For UPSC CSE (in English Medium)

Self Learning Modules

Students may opt for following modules

- Prelims (17 GS + 3 CSAT Booklets) ₹10000/-
- Prelims + Mains (35 GS + 3 CSAT Booklets) ₹15000/-
- Mains (17 GS Booklets) ₹11000/-

Offer: Free 6 months subscription of Drishti Current Affairs Today magazine with

For UPPCS Mains (in English Medium)

Self Learning Modules

19 GS + 1 Essay + 1 Compulsory Hindi Booklets
₹11000/-

Offer: *Free 6 months subscription of Drishti Current Affairs Today magazine for comprehensive coverage of current affairs*

विस्तृत जानकारी के लिये कॉल करें : 8448485520, 87501-87501, 011-47532596

दृष्टि पब्लिकेशन्स की प्रमुख पुस्तकें

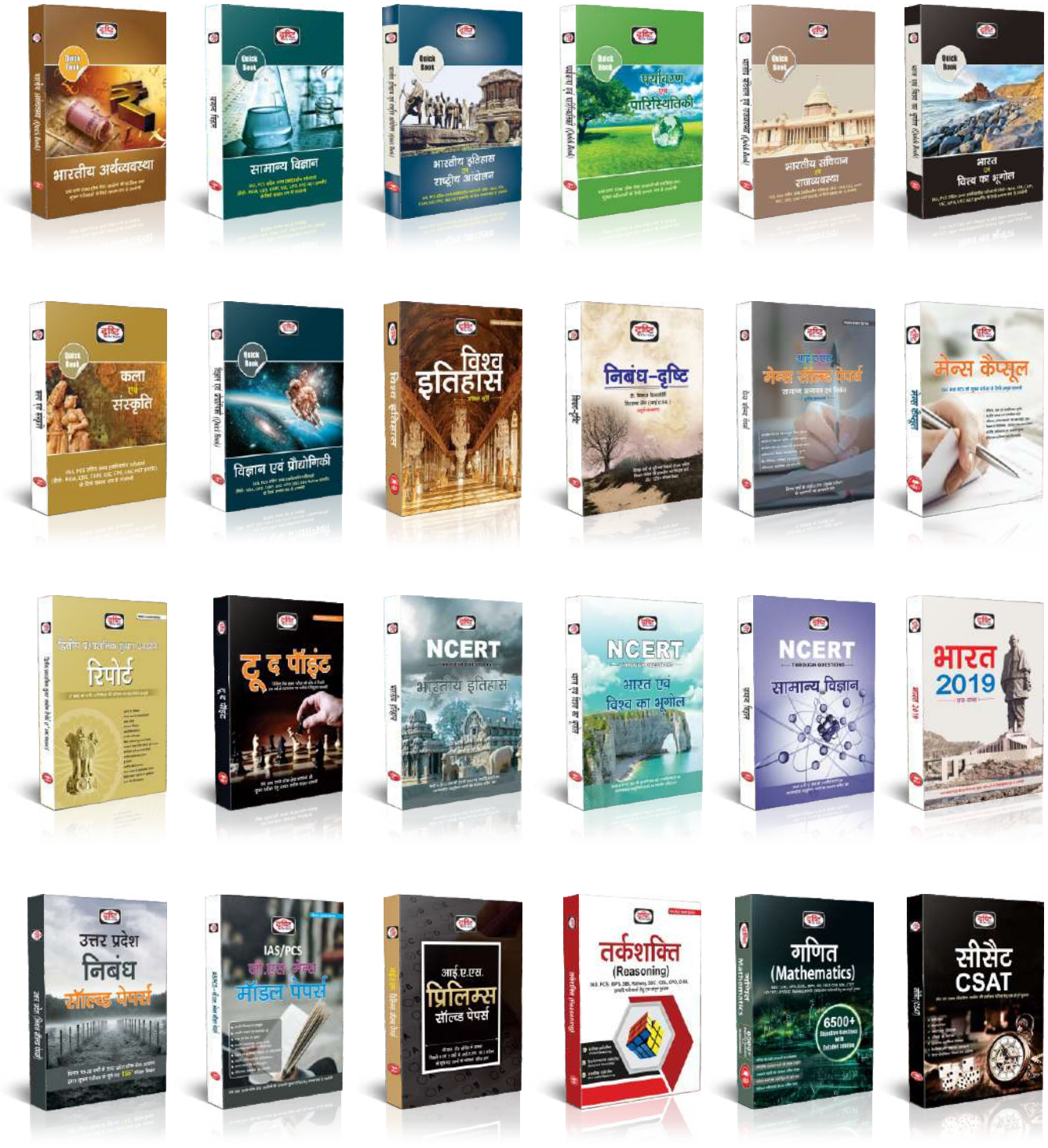

641, Ist Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9
Ph.: 011-47532596, 87501 87501
Website: www.drishtipublications.com, www.drishtiias.com
E-mail: booksteam@groupdrishti.com

ISBN 978-81-936314-5-4

मूल्य : ₹ 240